हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
मंगलवार, 20 जनवरी 2015, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण
www.livehindustan.com

आज खत्म हो जाएगी पंजीकरण प्रकिया, गुरुवार से स्कूल जारी करेंगे मेरिट सूची

दूरी वर्ग में हुए 90 प्रतिशत आवेदन

नर्सरी दाखिला

नई दिल्ली | कार्यालय संवाददाता

नर्सरी दाखिले के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया मंगलवार को समाप्त हो जाएगी। सभी स्कूलों में औसतन 90 फीसदी आवेदन दूरी वर्ग में हुआ है। इसके बाद सिबलिंग में पंजीकरण हुआ है। गुरुवार से मेरिट सूची आनी शुरू हो जाएगी।

डीपीएस में 92 फीसदी, जीडी गोयनका रोहिणी में 90, स्प्रिंगडेल्स में 90 और सेंट मैथ्यू समेत लगभग अधिकतर स्कूलों में 91 फीसदी आवेदन दूरी के प्वाइंट पर हुए हैं। सोमवार रात आठ बजे तक के आंकड़े (ऑफलाइन व ऑनलाइन) बताते हैं कि जितने भी फॉर्म स्कूलों की ओर से जारी किए गए, उनमें जमा होने के लिए आए फॉर्म में 90 फीसदी दूरी वर्ग के थे। इस बार अधिकतर स्कूलों ने दूरी वर्ग में अधिकतम 60 अंक तक दिए हैं। इतना ही नहीं, स्प्रिंगडेल्स पूसा रोड स्कूल जैसे कई स्कूलों ने पूरी दिल्ली को दूरी वर्ग में शामिल किया है।

लिहाजा, दूरी वर्ग में अधिक आवेदन होने से मुकाबला कड़ा होगा। लगभग हर छात्र के अंक बराबर हो सकते हैं। पीतमुपरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रुमा पाठक का कहना है कि मंगलवार अंतिम दिन है। अभिभावक को उन स्कूलों में आवेदन करना चाहिए जहां दूरी वर्ग समेत कम से कम तीन वर्ग में उनका नौनिहाल आता हो, इससे राह आसान होगी और सीट मिलनी की संभावना बढ़ जाएगी। बता दें कि 31 मार्च 2015 तक हर स्कूल को अपनी सीट भरनी होगी।

दाखिले के संबंध में स्कूल कर्मचारियों से जानकारी लेते अभिभावक (फाइल फोटो)

सिबलिंग और दूरी रहेंगे अहम फैक्टर

पहली सूची में उन बच्चों के नाम आ पाएंगे जिन्होंने सिबलिंग और दूरी में आवेदन किया है। दोनों वर्ग में ज्यादा अंक मिलेंगे। वहीं एल्युमनी व ट्रांसफर के कम अंक हैं। ऐसे में दूरी व सिबलिंग सूची बनने में अहम फैक्टर साबित होंगे। कई अभिभावकों की ओर से नर्सरी हेल्पलाइन पर दूरी के कम अंक देने की बात कही गई है। निदेशालय के पास करीब 550 से अधिक शिकायतें आई हैं। इसमें कहा गया है कि स्कूल ने दूरी वर्ग में 60 अंक की बात कही थी लेकिन इसे घटाकर 40 कर दिया गया।

एक सीट खाली रहने पर निकाला जाएगा ड्रॉ

सामान्य वर्ग का दाखिला 100 अंक के फॉर्मूले से होगा। वहीं ईडब्ल्यूएस को ड्रॉ से सीट दी जाएगी। सामान्य वर्ग में यदि छात्रों के अंक बराबर रहते हैं तो उस स्थिति में सीट लॉटरी से दी जाएगी। इसके अलावा जब तक सभी सीटें नहीं भरेंगी तब तक मेरिट जारी होती रहेगी। अगर अंत में एक सीट भी बचती है तो ऐसी स्थिति में स्कूल को ड्रॉ कराना होगा। कोई भी स्कूल इससे इनकार नहीं कर सकता है, भले ही वह सीट मैनेजमेंट कोटे की क्यों न हो।

हिन्दुस्तान हेल्पलाइन

रुमा पाठक, प्रिंसिपल
एमएम पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा

इस बार गाइडलाइंस में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। इसे लेकर अभिभावक काफी उलझन में हैं1 इसको दूर करने के लिए 'हिन्दुस्तान हेल्पलाइन' में आपके द्वारा पूछे गए सभी सवालों का जवाब दे रहे हैं हमारे विशेषज्ञ।

1. मैंने अपने बेटे का पंजीकरण करा दिया है। अब दाखिले के बारे में कैसे पता लगेगा?

- आरती मिश्र, लक्ष्मीनगर

जवाब : आप निश्चिंत रहें। स्कूल अब मेरिट सूची बनाएंगे। ये प्वाइंट के आधार पर बनाई जाएगी। पहली सूची गुरवार से आना शुरू हो जाएगी। उसके बाद दूसरी सूची 15 फरवरी को आएगी। इन तिथियों का ध्यान रखें।

2. क्या घर के पते के तौर पर आधार कार्ड मान्य है? कुछ स्कूल इसे खारिज कर रहे हैं।

- अश्विनी कुमार, पंजाबी बाग

जवाब : बिल्कुल, आधार कार्ड मान्य है। कोई भी स्कूल इसे पते के तौर पर खारिज नहीं कर सकता। आप इस संबंध में शिक्षा उपनिदेशक के कार्यालय में जाएं और वहां शिकायत दर्ज कराएं।

3. किस स्कूल में कितनी सीटें हैं, इसकी जानकारी कहां से मिल सकती है?

- कुमार गौरव, भजनपुरा

जवाब : सीटों की जानकारी दो तरह से मिल सकती है। पहला, आप स्कूल के नोटिस बोर्ड व उनकी वेबसाइट से लें। दूसरा, शिक्षा निदेशालय की साइट पर भी हर स्कूल ने जानकारी डाली हुई है। आप वहां से पता लगा सकते हैं।

नर्सरी दाखिले से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी पाना चाहते हैं तो आप हमें **hellohindustan@livehindustan.com** पर ईमेल कर सकते हैं।